International Journal of Social Science and Humanities
www.humanitiesjournals.com
Online ISSN: 2664-8628 Print ISSN: 2664-861X
Received: 01-11-2023, Accepted: 16-11-2023, Published: 02-12-2023
Volume 5, Issue 4, 2023, Page No. 21-26

जी 20 शिखर सम्मेलनः विकास के अवसर

इंदु बघेल, अनुरंजिता वाधवा
सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, भारती कॉलेज, दिल्ली विश्वविधालय, दिल्ली, भारत

सारांश
G–20 प्रत्येक वर्ष क्रम अनुसार अध्यक्षता में आयोजित किया जाता है इसके वैश्विक महत्व के मुद्दे व्यापक एजेंडा पर केंद्रित है, परंतु इसके एजेंडे में विस्तार करते हुए इसमें अन्य बातों के साथ जलवायु परिवर्तन, भ्रष्टाचार के विरुद्ध लडाई, रोजगार, महिलाओ की उन्नति, व्यापार, स्वास्थ्य, ऊर्जा, आतंकवाद विरोधी, सतत विकास, कर और राजकोषीय नीति शामिल हैं। G 20 सरकारों और केंद्रीय बैंक के लिए एक अंतरराष्ट्रीय मंच इसकी सदस्य देशों की संख्या के आधार पर इसका नाम g20 रखा गया है। G–20 (group of twenty) यूरोपीय संघ और 19 देशों का समूह है जिसका मुख्य कार्य वैश्विक आर्थिक सहयोग प्रदान करना और आर्थिक स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखना है। यह समूह दुनिया के 85% अर्थव्यवस्था और 75% वैश्विक व्यापार को नियंत्रित करता है इसके अलावा यह देश जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर भी बात करता है।

मुलशब्दः G-20, वैश्विक व्यापार, वसुधैव कुटुंबकम

मुख्य बिंदु

1. **अर्थव्यवस्था और वित्तीय स्थिरताः** विश्व अर्थव्यवस्था को सुधारना और वित्तीय संतुलित बनाए रखना है।
2. **वैश्विक व्यापारः** समूह में शामिल देश वैश्विक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए व्यापारिक नीतियों की विवेचना करते हैं।
3. **वित्तीय संरक्षणः** G–20 वित्तीय संरक्षण के मुद्दों पर चर्चा करता है और वित्तीय संस्थाओं को सुधारने के उपायों का अध्ययन करता है।
4. **वैश्विक मुद्देः** समूह विशेष ध्यान देता है वैश्विक मुद्दों पर, जैसे कि जलवायु परिवर्तन, जनसंख्या, और विकास संबंधी मुद्दे।
5. **वैश्विक सहयोगः** G–20 देश सहयोग करते हैं विश्व मुद्दों के समाधान के लिए, जैसे कि वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दे और अन्य अंतरराष्ट्रीय चुनौतियां

परिचय

g20 की शुरुआत 1999 में वित्तीय संकट से निपटने के लिए हुई थी 19 देश + EU[27 देश–अध्यक्ष उर्सुला वॉ– मुख्यालय– बुसेल्स (बेल्जियम) – मुद्रा यूरो (जोकि 20 देशों ने अपनाया है), वित्तीय संकट को देखते हुए पहले g20 शिखर सम्मेलन की शुरुआत अमेरिका के राष्ट्रपति द्वारा की गई, जिसका आयोजन 2008 में 14–15 नवंबर किया गया तभी से प्रत्येक वर्ष g20 का शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जाने लगा तथा हर साल g20 के अध्यक्ष देश के द्वारा अन्य सदस्य देशों को अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया जाता है। 2022 में भारत को इंडोनेशिया (17 वॉ सम्मेलन राष्ट्रपति जोको विडोडो के द्वारा बाली में आयोजन हुआ था) ने हथोड़ा देकर अध्यक्षता प्रदान की 1 दिसंबर 2022 से 30 नवंबर 2023 तक भारत ने अध्यक्षता निभाया, 9 से 10 सितंबर के बीच में दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम में बैठक हुआ जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अध्यक्षता में हुआ था यह 18 वॉ शिखर सम्मेलन था, जिसके दौरान ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा को अध्यक्षता के लिए हथोड़ा सोपा गया। यह 19 वॉ शिखर सम्मेलन ब्राजील में आयोजन होगा।

G 20 का पहला सत्र एक पृथ्वी, दूसरा सत्र एक परिवार, और तीसरा सत्र एक भविष्य पर चला था।

प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी के द्वाराः

भारत की g20 की अध्यक्षता में 60 स्थानों पर 200 से भी ज्यादा बैठकें आयोजित की गई, जहां विकास को वैश्विक एजेंडे में प्राथमिकता दी गई। अब 20 सदस्य देश और 9 अतिथि देश और 14 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के नेता और प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख एक साथ G–20 सम्मेलन, नई दिल्ली में आये जो विश्व के उज्जवल भविष्य की और कदम बढ़ाने, इन संकल्पों के साथ –

- एक पृथ्वी के रूप में हरित पहल को बढ़ावा देना।
- एक परिवार के रूप में समावेशी विकास को बढ़ावा देना
- एक बेहतर भविष्य के लिए प्रौद्योगिकी को सम्मानित करना।

G–20 का प्रतीक

- g20 का थीम वसुधैव कुटुंबकम है जिसका अर्थ एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य है।
- जो कि महा उपनिषद के पेज 6.72 से लिया गया है जिसमें लिखा है, कि अयं बन्धुर्यं नेति गणना लघुचेतसां उदारचरितानां तू वसुधैव कुटुंबकम् अर्थात् संकीर्ण सोच वाले लोग सोचते हैं कि ''यह व्यक्ति मेरा है, और यह मेरा नहीं है''। श्रेष्ठ आचरण वालों के लिए पूरा विश्व एक परिवार है।
- g20 का लोगों का रंग केसरिया, सफेद, हरा, और नीला भारत के तिरंगे का रंग है
- इसमें एक पृथ्वी है और उसके नीचे कमल का फूल है जो उभरती हुई महाद्वीप को दर्शा रहा है।

- कमल का फूल कीचड़ में भी खिल जाता है, यह सभी परेशानियों से निपटते हुए हर हाल में खिल उठने का संदेश देता है

भारत मंडपम

g20की बैठक भारत के राजधानी नई दिल्ली के प्रगति मैदान के भारत मंडपम (भारत का सबसे बड़ा कन्वेंशनल सेंटर हैं) में हुआ था। भारत मंडपम के बाहर नटराज की मूर्ति लगाई गई है

- 27 फीट (विश्व में नटराज की सबसे ऊंची मूर्ति है)।
- इसमें भगवान शिव का तांडव रूप दिखाया गया है।
- लास्ट वैक्स मैथड (पहले मोम से फिर अष्ट धातु से बनाई गई है) का प्रयोग किया गया है
- चोल साम्राज्य की तरह विशाल मूर्ति है।
- तमिलनाडु के वास्तुकारों ने बनाया है।

नटराज मूर्ति के गुण

- दाया हाथ अभय मुद्रा के द्वारा आशीर्वाद दे रहे हैं।
- एक हाथ में डमरू ध्वनि सृजन का प्रतीक है।
- एक हाथ में अग्नि जो विनाश का प्रतीक है।
- उनके पैर के नीचे मनुष्य है जिसका अहंकार तोड़ रहे हैं, फिर भी इनकी चेहरे पर शांत मुस्कान है। भारत मंडपम के अंदर कोणार्क पहिया (उड़ीसा के सूर्यमदिर मे स्थित है) के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा सदस्य और अतिथि देशों का स्वागत किया गया, क्योकि अब समय भारत की तरफ मुड़ चुका है तथा इसको ब्लैक पैगोड़ा के नाम से जाना जाता है। हमने G–20 की बैठक के समय अफ्रीकन यूनियन को स्थायी सदस्य बनाया गया, अब G–20 की अगली बैठक G21 के नाम से जाना जाएगा तब 19 देश और 2 संगठन हो गए।

अफ्रीकन संघ की स्थापना 1963 में हुई इसमें 55 देश शामिल है इसका मुख्यालय आदिसमबाबा (इथियोपिया) है इसके अध्यक्ष अपाली ओसेमानी ने अभी g20 में अध्यक्षता निभाया।

उदेश्य

- सबसे पहले g20 का मुख्य उद्देश्य वैश्विक अर्थव्यवस्था का विकास और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले कारकों में सुधार करना है।
- g20 सरकार के वित्तीय जोखिम को कम करने के लिए बैंकिंग क्षेत्र के लिए सख्त नियम बनाते हैं।
- वित्तीय सुधार को बढ़ावा देते हुए वैश्विक व्यापार और विकास पर भी विचार किया जाता है।
- g20 ने बहु वर्षीय कार्य योजना (MYAP) भी शुरू किया है। यह योजना 9 स्तंभ में कार्य करती है मानव संसाधन विकास, निजी निवेश, रोजगार सृजन, ज्ञान, साझा करना आदि।
- g20 में विकास और नौकरियों के लिए कान्स एक्शन प्लान की स्थापना की गई है।
- g20 के शिखर सम्मेलन का मुख्य मुद्दा युवाओं में बेरोजगारी की चिंता पर केंद्रित था।
- g20 का उद्देश्य राष्ट्रीय विकास रणनीतियों की मदद से GDP को 2% तक बढ़ाना था।
- g20 शिखर सम्मेलन में प्रवासन शरणार्थी आंदोलन, और
- आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई पर भी चर्चा की गई है।
- 2016 में हुई जलवायु परिवर्तन का मुद्दा तथा 2017 में हुई ऊर्जा सुरक्षा का मुद्दा तथा 2018 में हुई सतत विकास पर भी ध्यान दिया गया है।
- g20 शिखर सम्मेलन में covid–19 महामारी के कारण उससे जुड़े नए उपकरणों पर भी चर्चा की गई है।
- वैश्विक स्तर पर सदस्य देशों के बीच नीतियों का सामंजस्य व तालमेल बनाना।

इतिहास

g20 को समझने से पहले हमें सबसे पहले G7 को समझना होगा, 1970 में जब दुनिया की आर्थिक हालत बहुत खराब चल रही थी तो इसके कई कारण थे परंतु इसका सबसे बड़ा कारण 1973 का तेल संकट (oil crises) था। यह संकट तब शुरू हुआ जब अरब देशों ने तेल पर एक एंबार्गो लगाया तथा उन देशों को तेल बेचना बंद कर दिया गया जो इजरायल के तरफ में थे जिसमें ज्यादातर पश्चिमी देश शामिल थे जैसे अमेरिका और यूरोप यह पश्चिमी देश मध्य पूर्व से आने वाले तेल पर बहुत ज्यादा भरोसा करते थे। और इसकी वजह से भारी आर्थिक मंदी देखने को मिली सरकारों में जिससे सरकारों ने यह डिसाइड किया कि अगर इस आर्थिक हालात को बेहतर करना है तो हमें एक अच्छी निर्णय की जरूरत है आर्थिक स्थिति को वापस ट्रैक पर लाने के लिए हमें साथ में बैठकर आर्थिक नीतियां बनानी चाहिए जिस पर अमेरिका के व्हाइट हाउस में वित्तीय मंत्रियों के बीच अनौपचारिक मीटिंग होती है।

1973 में अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन, पश्चिम जर्मनी के वित्तीय मंत्रि एक दूसरे से मिलते हैं यह 2 साल बाद इटली और जापान को भी शामिल कर लेते हैं और 1975 में पहली बैठक G–6 की होती है 1976 में कनाडा भी शामिल हो जाता है और G–6 का ग्रुप G–7 का ग्रुप बन जाता है ये 7 देश अपने समय के सबसे विकसित देशों में से थे, उनकी आर्थिक शीर्ष पर थी। उदार लोकतंत्र, मानव अधिकार, व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मूल्य को बढ़ावा देती थी। राजनीतिक रूप से शीत युद्ध के समय में ये सारे देश पश्चिमी ब्लॉक की हिस्सा थी तो वैचारिक रूप से सामान कह सकते हैं कि अवश्य ही ये सब तेल संकट और मंदी जैसी समस्याओं से जूझ रहे थे जिससे इनका मुख्य मकसद यही था कि साथ में मिलकर आर्थिक रणनीति बनाना।

सन 1998 में रूस को भी इस ग्रुप में शामिल कर लिया जाता है और G7 अब G–8 बन जाता है लेकिन 2014 में जब रूस ने क्रीमिया पर आक्रमण किया था जिसके कारण रूस को इस ग्रुप से बाहर निकाल दिया गया। जिसके कारण यह ग्रुप आज भी G7 के नाम से जाना जाता है।

G–20 की मुख्य रूप से शुरुआत

g20 की बात कर तो इसकी शुरुआत भी आर्थिक संकट की वजह से हुई थी, सन 1997 की एशिया वित्तीय संकट, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड के देशों में इस समय एक भयंकर वित्तीय संकट आया था। यह संकट बहुत बड़ी थी जिसे लाओस, हांगकांग, मलेशिया, फिलीपींस और कुछ हद तक, जापान, ताइवान और वियतनाम जैसे देश भी प्रभावित हुए। इन देशों में करेंसी के मूल्य तेजी से नीचे गिरने लगे, बेरोजगारी बढ़ने लगी, दंगें भी देखने को मिले इसके अगले साल रूस में भी सन 1998

में इसी रूप में वित्तीय संकट देखने को मिला। यही कारण था कि रूस को G7 में सम्मिलित किया गया लेकिन G7 के और सदस्य ने यह महसूस किया कि दुनिया समय के साथ–साथ अंतर संबंध बनती जा रही है वैश्वीकरण इतना ज्यादा देखने को मिल रहा है कि किसी एक देश में समस्या होती है तो उसका असर बाकी अन्य देशों पर भी पड़ता है, इसलिए अगर पूरी दुनिया में हमें आर्थिक स्थिरता लानी है और भारी मंदी होने से रोकना है तो हमें दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्था के साथ मिलकर सदस्य देशों के साथ योजना बनाने का निर्णय लिया। 26 सितंबर 1999 को G7 की वित्तीय मंत्री बैठक के दौरान g20 ग्रुप की स्थापना करते है। जिसकी पहली बैठक 2008 में होती है।

G–20 में कौन – कौन से देश शामिल हो सकते है।

g20 ग्रुप में विकसित और विकासशील देशों को शामिल किया गया है। जिसकी निम्न मापदंड है: –

- वह देश जो दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को संभालता हो या अर्थव्यवस्था के मामले में शीर्ष पर हो।
- G7 के सदस्य g20 के सदस्य भी होंगे।
- वह देश जिसके पास भौगोलिक क्षेत्र सबसे बड़ी शक्ति के रूप में हो।
- वह देश जो सैन्य, जनसंख्या, तथा औधोगिक के क्षेत्र में आगे हो
- वह देश जो युद्ध न करके शांति पर बल कायम करना तथा
- व्यापार समझौते करना चाहते हो।
- इसलिए इसे एक अहम बैठक (समिट) का दर्जा दिया गया है.। क्योंकि दुनिया की 60 फिसदी आबादी इन 20 देश से ¹ही आती है, हर साल अलग–अलग देश G–20 की मेजबानी करते हैं।

G–20 के कार्य प्रणाली तथा सरंचना

- G–20 में शामिल देशों के शीर्ष नेता वर्ष में एक बार बैठक जरूर करते हैं जिसके अध्यक्ष देश के प्रधानमंत्री/राष्ट्रपति होते हैं।
- वर्ष के दौरान सभी सदस्य देशों के वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नर नियमित रूप से बैठक करते रहते हैं अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और वित्तीय नियमन में सुधार लाने और प्रमुख आर्थिक सुधारो के लिए तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कार्य करते हैं।
- विशेष मुद्दे जैसे आर्थिक सुधार, जलवायु परिवर्तन, वित्तीय सहयोग, वित्तीय निवारण, अर्थशास्त्री देशों का संगठन पर नीतिगत समन्वय पर कार्य समूह शामिल है।
- G–20 का कोई स्थायी मुख्यालय नहीं है, बल्कि इसके अध्यक्ष देश अन्य अध्यक्ष देशों के साथ मिलकर परामर्श करते हैं, और वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास के लिए शामिल सदस्य देश उत्तरदायी होते हैं।
- हर साल जब एक नया देश अध्यक्षता लेता है तो वह पिछले
- अध्यक्ष और आगे बनने वाले अध्यक्ष देश के साथ मिलकर काम करता है इस प्रकार के समूह को ज्त्व्ज्ञ। (तीन सदस्यों का एक साथ काम करना) के नाम से जाना जाता है यह निरंतर और स्थिरता को सुनिश्चित करता है।
- g20 की अध्यक्षता एक सिस्टम के तहत प्रत्येक वर्ष बदलती रहती है जो समय के साथ एक क्षेत्रीय संतुलन सुनिश्चित करता है, अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए सभी देशों को 5 ग्रुप में विभाजित कर दिया जाता है एक ग्रुप में 4 से अधिक सदस्य नहीं हो सकते अध्यक्षता प्रत्येक ग्रुप के बीच घूमती है हर साल G 20 द्वारा अध्यक्ष बनने के लिए प्रत्येक ग्रुप के देशों में से एक देश का चयन किया जाता है। (भारत ग्रुप 2 का सदस्य है जिसमें रूस दक्षिण अफ्रीका और तुर्की शामिल है।)

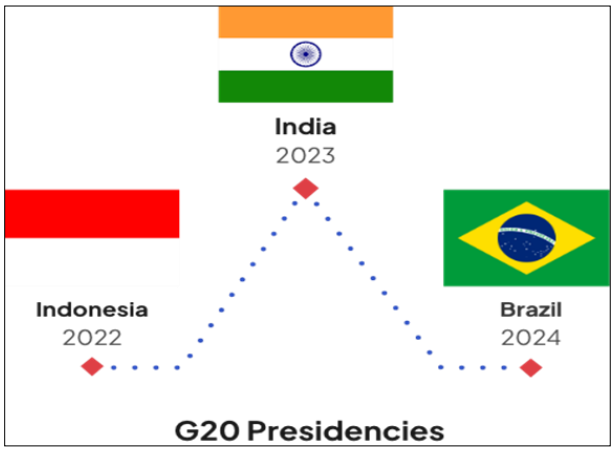

g20 कैसे काम करता है।

G–20 के कार्यों को 2 ट्रैक में बांटा गया है.

1. वित्त ट्रैक (finance Track)
2. शेरपा ट्रैक (sherpa Track)

1. वित्त ट्रैक (finance Track) = इसमें सदस्य देशों के वित्त मंत्री केंद्रीय बैंक के गवर्नर और उनके प्रतिनिधियों के साथ बैठक की जाती है, जिसमें मौद्रिक, राजकोषीय, वित्तीय विनियम इत्यादि पर ध्यान केंद्रित किया जाता है यह बैठक साल में कई बार होती है।

2. शेरपा ट्रैक (sherpa Track) = शेरपा ट्रैक में व्यापक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है जैसे राजनीतिक जुड़ाव, भ्रष्टाचार विरोधी, विकास इत्यादि।

प्रत्येक देश को इसके शेरपा (सिविल सेवक या राजनयिक) द्वारा ही रिप्रेजेंट किया जाता है जो अपने से संबंधित देश के नेता की ओर से योजना बनाना, गाइड करना और लागू करना जैसे कार्य करते हैं।

भारत के शेरपा – 1 . पूर्व– पियुस गोयल (वाणिज्य और उद्योग मंत्री) 2. वर्तमान – अमिताभ कान्त (नीति आयोग के मुख्य अधिकारी (CEO)

साहित्य की समीक्षा

भारत ने g20 के बहाने पूरी दुनिया को अपनी ताकत का एहसास कराया। देश भर में कुल 10 महीने में 60 शहरों में तबाडतोड़ 200 से ज्यादा बैठके की गई और दुनिया भर से जुड़े हर विषय पर चर्चा, सुझाव और प्रस्ताव लिए गए, भारत को नवंबर 2022 में

इंडोनेशिया के बाली शहर में जी–20 की प्रेजिडेंसी सौपी गई थी।

जब g20 के आखिरी चरण में 9 और 10 सितंबर को सभी राष्ट्र प्रमुख दिल्ली में मिले और वैश्विक मसलों पर मंथन किया और चुनौतियों से एक साथ निपटने का संकल्प लिया। g20 में अलग–अलग चुनौतियों से निपटने के लिए भारत ने अलग–अलग राज्यों में अनेक बैठके आयोजित किए।

G–20 सहभागिता समूहः

B20 (बिजनेस)
स्थापितः 2008
g20 द्वारा मान्यता प्राप्तः 2010 सदस्यः व्यवसायिक हित समूह

L– 20 (श्रम)

स्थापितः 2008
g20 द्वारा मान्यता प्राप्तः 2011 सदस्यः व्यापार संघ और अन्य कर्मचारी प्रतिनिधि

C–20 (सिविल)

स्थापितः 2008
g20 द्वारा मान्यता प्राप्तः 2013
सदस्यः नागरिक समाज संगठन

Y–20 (युवा)

G 20 द्वारा स्थापित/मान्यता प्राप्तः 2010 सदस्यः युवा प्रतिनिधि

T–20 (थिंक)

g20 द्वारा स्थापित/मान्यता प्राप्तः 2012
सदस्यः थिंक टैंक

W–20 (महिला)

g20 द्वारा स्थापित/मान्यता प्राप्तः 2015 सदस्यः महिला अधिकार संगठन

S–20 (विज्ञान)

G 20 द्वारा स्थापित मान्यता प्राप्तः 2017 सदस्यः विज्ञान और अनुसंधान प्रतिनिधि

U–20 (शहर)

स्थापितः 2017
g20 द्वारा मान्यता प्राप्तः 2018 सदस्यः प्रमुख G 20 शहरों के मेयर और गर्वनर।

G–20 2023 की बैठकें

- प्रथम शेरपा बैठक – उदयपुर
- प्रथम वित्त एवं केंद्रीय बैंक
- प्रतिनिधियों की बैठक– बेंगलुरु
- पहली विकास कार्य समूह की बैठक – मुंबई
- पहली फ्रेमवर्क वर्किंग ग्रुप की बैठक – बेंगलुरु
- पहली स्वास्थ्य कार्य समूह की बैठक – तिरुवनंतपुरम
- प्रथम अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय वास्तुकला कार्य समूह की बैठक– चंडीगढ़
- प्रथम शिक्षा कार्य समूह की बैठक – चेन्नई
- प्रथम रोजगार कार्य समूह बैठक – जोधपुर
- पहली सतत वित्त कार्य समूह की बैठक – गुवाहाटी
- पहली पर्यटन कार्य समूह की बैठक – कच्छ का रण
- पहली पर्यावरण और जलवायु कार्य समूह की बैठक – बेंगलुरु
- प्रथम कृषि कार्य समूह की बैठक – इंदौर
- डिजिटल इकोनॉमी वर्किंग ग्रुप (DEWG) की बैठक– लखनऊ
- प्रथम संस्कृति कार्य समूह की बैठक – खजुराहो
- g20 विदेश मंत्रियों की बैठक – दिल्ली
- भ्रष्टाचार निरोधक कार्य समूह की पहली बैठक – गुरूग्राम
- पहली व्यापार एवं निवेश कार्य समूह की बैठक – मुंबई
- पहली आपदा प्रबंधन कार्य समूह की बैठक – गांधीनगर

परिकल्पना

सकारात्मक–

1. g20 के मंच पर आर्थिक विकास, पर्यावरण, स्वास्थ, शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ने पर चर्चा की गई।
2. g20 के कारण भारत एक नई तस्वीर, शक्ति और सामर्थ्य को दुनिया के सामने रखा ताकि नए अवसर और निवेश से भारत की आर्थिक गति को मजबूती मिले।
3. g20 के द्वारा भारत के संस्कृति और भारत के विभिन्न राज्यों (जैसे विहार लिट्टी चोखा, बनारस–पान, मुंबई–पाव, कश्मीरी कहवा) के खान–पान को दुनिया ने जाना।
4. ळसवइंस इपवनिमसे ंसपंदबम को लॉन्च किया गया (पेट्रोल में 20ः एथेनॉल मिलाना) जिससे कार्बन इमीऐशन कम होगा।
5. नई दिल्ली घोषणा पत्र में ग्लोबल साउथ के बारे में बात किया गया जिसमें साउथ के अनेक विकासशील देश भी शामिल है। इसमें 73 मुद्दे हैं जैसे की जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, सतत विकास को बढ़ावा, कार्बन इमीएसन कम करना, ग्रीन वर्ल्ड बनाना, रूस – यूक्रेन मुद्दा, धार्मिक प्रतीकों तथा पवित्र पुस्तकों को नुकसान न पहुंचना।
6. India– middle East Europe corridor (IMEC) – यह भारत के मुंबई से शुरुआत होगी और उसके बाद UAE, सऊदी अरब, जॉर्डन, इजराइल, ग्रीस, यूरोप, US। में शामिल होगी इंडिया मिडल ईस्ट को कनेक्ट करने के लिए ही IMEC की स्थापना होगी, वदम इमसज वदम तवंक योजना (BRI) को counter करने वाली चीन की पहल है। जो कि जी–20 शिखर बैठक के संदेश मे बताया गया कि उत्तर भारत मध्य पूर्व यूरोप को सड़क, रेल व समुद्री मार्ग से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण संपर्क योजना को मंजूरी देकर चीन को अप्रत्यक्ष संदेश दिया कि वह बेल्ट और रोड प्रोजेक्ट के नाम पर छोटा देश का आर्थिक दोहन ना करें एक तरह से चीन की चाल रोकी, और भारत ने दुनिया में बढ़ाया मान।
7. 7.2047 तक भारत की विकसित राष्ट्र बनने की राह आसान हो सके।

नकारात्मक

1. g20 की अवहेलना इस आधार पर की गई है कि यह वैधता का अभाव है।
2. g20 आम सहमति तक पहुंचने में असमर्थ है जिस कारण लोगों द्वारा इसकी अवहेलना की गई।
3. कुछ लोगों का मानना है कि जी–20 पर कुछ देशों का प्रभुत्व है।
4. g20 वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में विफल रहा है।
5. g20 8–10 सितंबर तक चला जिस दौरान 3 दिन तक दिल्ली बंद थी
6. तीन दिन तक दिल्ली बंद रहने के कारण दुकानों और रेस्टोरेंट को 400 करोड़ का नुकसान हुआ।
7. g20 का सबसे बड़ा असर दिल्ली पर रहा जहां 50% बिक्री कम हुई

राजनीतिज्ञों और प्रशासनिकों द्वारा दी गई प्रतिक्रिया

1. सत्येंद्र गर्ग (ट्रेफिक एक्सपर्ट)= g20 जैसे आयोजन का यह फायदा होता है कि एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल, तकनीकी स्तर पर काफी सुधार, नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल, विभागों के अंदर ऐसे आयोजनों के लिए विशेषज्ञता और नए अनुभव तथा साधन प्राप्त होता है और विभागों का आधुनिकीकरण होता है एजेंसियों को फंड आसानी से मिल जाता है। जिससे आयोजन करने में काफी आसानी
होती है।

2. करनैल सिंह (पूर्व IPS)= G–20 समिट के चलते राजधानी दिल्ली में दुनिया के टॉप लीडर्स एक साथ आए, एक साथ सिक्योरिटी ऑफिसर भी थे इससे दिल्ली पुलिस को इंटरनेशनल सिक्योरिटी एक्स्पोज़र मिला है जिस तरह से सिक्योरिटी मैनेजमेंट उनकी तरफ से किया जा रहा है। यह अनुभव भविष्य के लिए काफी मददगार होगा दूसरी तरफ रोड के नए सिरे से बनना, पार्क को और फुटपाथ को खूबसूरत बनाया गया है।

3. नरायण [कथक नृत्यांगना (पद्मश्री),= इससे विदेशी मेहमान दिल्ली को टूरिज्म से लेकर उसकी कला और संस्कृति को महसूस किये, जो भी कलाकार समिट में परफॉर्मेंस दे रहे थे, इससे उनका भी ग्लोबल आर्ट की दुनिया में एक्सपोजर मिला है।

4. डॉ. M.C. मिश्रा (पूर्व डायरेक्टर, एम्स)= इस इवेंट से दिल्ली का पूरे दुनिया में नाम हुआ, दिल्ली को वर्ल्ड क्लास कन्वेंशन सेंटर मिला कार्यक्रम की वजह से स्मारक, अस्पताल, सड़के, चौराहे, साफ – सुथरी और सुंदर दिखने लगी है। एशियाड, सीडल्यूजी 2010 के साथ अब दिल्ली के पास g20 को सफल बनाने की उपलब्धि दर्ज हो गई है।

5. सुमित झा (कूटनीतिक मामलों के एक्सपर्ट)=.सुमित झा का कहना है कि इससे भारत का कद साउथ ग्लोबल में बहुत बड़ा है,साउथ, विकासशील और पिछड़े देश, भारत की ओर देख रहे हैं और यह उम्मीद की जा रही है कि भारत उनकी अगुवाई करें और उनके लिए लीडर की भूमिका निभाए, तथा भारत नई ऊंचाइयों की तरफ बढ़ रहा है। क्योंकि सुमित झा को लगता है कि चीन 10 वर्षों में बिजनेस के मामले में अफ्रीकी देशों में काफी पैठ बन चुका है उसका वहां पर काफी प्रभाव है, चीन अफ्रीकी देशों में बहुत निवेश कर रहा है लेकिन भारत ने अफ्रीकी यूनियन को g20 के मंच पर लाने में सफलता पाई है जिससे अफ्रीकी देशों में भारतीय प्रभाव निश्चित तौर पर बढ़ेगा।

6. शिक्षा मंत्रालय (भारत सरकार)= जी 20 कई देशों को एक साथ लाता है, जो कुछ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक दूसरे के साथ संघर्षरत भी हैं. आम सहमति दस्तावेज़ों का मतलब है कि वैश्विक शिखर सम्मेलन ''सतही बात'' से हटकर समाधानों की ओर बढ़ सकता है।

परिणाम और चर्चा

- 2023 का 18 वॉ g20 शिखर सम्मेलन हाल ही में भारत की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
- g20 का विषय वसुधैव कुटुंबकम या एक पृथ्वी एक परिवार एक भविष्य है जो प्राचीन संस्कृत ग्रंथों से लिया गया है।
- प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी इस शिखर सम्मेलन को मिल के पत्थर के रूप में देखा है।
- g20 नई दिल्ली के नेताओं के घोषणा के 83 आख्यानों को शामिल किया गया जिसमें चीन और रूस की सहमति के 100% आख्यान शामिल हुआ।
- g20 शिखर सम्मेलन के कारण भारत ने खुद को उन्नत और एक पिछड़े देश के लिए एक चौंपियन के रूप में स्थापित किया।
- g20 शिखर सम्मेलन के परिणाम स्वरुप सभी पिछड़े देशों के सामने भारत एक उदाहरण के रूप में सामने आया है। है।
- g20 शिखर सम्मेलन में आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, पिछड़े देशों का विकास आदि जैसे मुद्दों को रखा गया।
- g20 शिखर सम्मेलन में दुनिया के कई नेताओं ने चंद्रयान–3 की सफलता पर श्री नरेंद्र मोदी जी को (भारत के वैज्ञानिकों के सफलता) पर बधाई दी।
- g20 की कई बार आलोचना भी होती है परंतु जी 20 के परिणाम स्वरुप कई देशों को लाभ पहुंचा और भारत को भी जी–20 शिखर सम्मेलन से काफी लाभ हुआ है।

रिसर्च प्रश्न

- g20 क्यों बनाया गया था?
- g20 की शुरुआत कैसे हुई ?
- g20 के संक्षेप और इतिहास क्या है ?
- g20 के सदस्य देशों के बीच वित्तीय संरक्षण और वैश्विक व्यापार के क्षेत्र में कौन–कौन से मुद्दे हैं ?
- g20 2023 में कितने सदस्य देशों ने भाग लिया था?
- g20 के अध्यक्ष कौन होते है?
- g20 प्रतीक चिन्ह (Logo) क्या संदेश देता है?
- g20 की कार्यप्रणाली कैसा है ?
- g20 का उद्देश्य क्या है ?
- g20 के महत्वपूर्ण सम्मेलन और मुद्दे कौन–कौन से थे ?
- g20 से भविष्य में क्या फायदे होंगे ?

आलोचना

- दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अतुल भार्गव ने कहा एनडीएमसी ने बाजार में पेंटिंग, साफ– सफाई और मरम्मत कार्यों पर करीब 3.5 करोड रुपए खर्च किए।
- भार्गव के अनुसार व्यापारियों को 300 से 400 करोड रुपए का नुकसान हुआ क्योंकि बाजार 8–10 सितंबर तक बंद रहा।
- कुछ स्थानों पर मेट्रो बंद होने के कारण भी लोगों को बहुत परेशानी हुई।
- 9 सितंबर G–20 बैठक के दौरान, भारत मंडपम के आसपास पानी लगने के कारण काफी आलोचना हुई।
- कुछलोगों का मानना है कि जी–20 पर कुछ देशों का प्रभुत्व है।
- कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को (डिनर) आमंत्रित नहीं किया गया।

निष्कर्ष

विश्व के केंद्र में भारत का, जी–20 शिखर सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय कद बढ़ना तय है। भारत ने न केवल सतत एवं समावेशी विकास को प्राथमिकता दी बल्कि लैंगिक समानता जैसे विषयों को भी महत्व दिया। इसके साथ ही उसने इस पर भी बल दिया कि डिजिटल क्रांति का लाभ विश्व के निर्धन–वंचित लोगों को भी मिलना चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को सक्रिय करना, विकास के लिए अधिक संसाधनों की उपलब्धता, पर्यटन का विस्तार, वैश्विक कार्यस्थल के अवसर, बाजरा उत्पादन और खपत के माध्यम से मजबूत खाद्य सुरक्षा और जैव–ईंधन के प्रति गहरी प्रतिबद्धता जी20 शिखर सम्मेलन के प्रमुख परिणामों में से हैं जिनसे लाभ होगा। G20 समिट को अहम माना गया है,

क्योंकि यह शिखर सम्मेलन भारत में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। वसुधैव कुटुंबकम् के द्वारा हमने दुनिया को एक परिवार के रूप में माना। भारत ने बहुत से ऐसे मुद्दों का जिक्र किया जिससे कुछ देश अभी तक सहमत नहीं थे वह इन महत्वपूर्ण मुद्दे पर सहमत हुए। जिसमें देश को तो फायदा है ही लेकिन पूरी दुनिया को भी फायदा है जैसे आतंकवाद का मुद्दा, जलवायु परिवर्तन इत्यादि 120 ताकतों का अहिंसा के पुजारी को नमन जी20 भारत में समापन के बाद सदस्य देशों और अतिथि देशों ने राजघाट पर जाकर अहिंसा के पुजारी (महत्मा गाँधी को नमन किया।

संदर्भ सूची

1. नवभारत टाइम्स (NBT) = 8–11 Sep.
2. दैनिक जागरण = 10–11 Sep.
3. हिंदुस्तान = 7 –9 Sep.
4. आज तक न्युज चौनल, सुधीर चौधरी के विशलेषण = 8 Sep. जव 11 Sep. (Live).
5. पत्रिका = G–20 की अवधारणा।
6. किताब = बी.बी. तायल
7. www.g20.org
8. www.google.com
9. www.utkarsh.com
10. www.wikipedia.com
11. www.google Images.com
12. Aslund, Anders-2006 "Russia's challenges as chair of the "G-20"
13. Baker, Anderw- 2000 The G7 as a global Ginger group
14. Baker, Andrew- 2014 the G20 and the monetary policy stasis
15. Bayne, Nicholas-2000 hanging in there: the G7 and G8 summit in maturity and renewal
16. Bradlow, Daniel-2016
17. Lessons from the frontlines: what I learned from my participation in the G20.